मुख्य कार्यकारी अधिकारी के चयन हेतु आवेदन आमंत्रण की अधिसूचना

तीर्थक्षेत्र संस्था के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के चयन हेतु योग्य एवं ईच्छुक अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित करता है । इस संबंध में जानकारी निम्नानुसार है :

पद : मुख्य कार्यकारी अधिकारी

सेवा अनुबंध की अवधि: 3 वर्ष । संतोषप्रद प्रदर्शन के आधार पर नवीनीकरण संभव है ।

पदस्थापन का स्थान: अयोध्या

वेतन एवं सुविधाएं : परस्पर बातचीत से निश्चित की जाएंगी ।

योग्यता:

शैक्षणिक: न्यूनतम स्नातक ।

आयु : 50 से 70 वर्ष के मध्य

अनुभव: विशाल सार्वजनिक संगठन / संस्था / विभाग / कंपनी के प्रबंधकीय दायित्व में कार्य करने का न्यूनतम 20 वर्षों का अनुभव । यह अनुभव बहु-आयामी (सामान्य प्रशासन, वित्त, लेखे, कार्मिक, जनसंपर्क, आई टी, सुरक्षा, विधि इत्यादि) समन्वय और मार्गदर्शन का हो । मुख्य प्रशासनिक अधिकारी अथवा मंदिर/ हिंदू धार्मिक संस्था के प्रबंधन के अनुभव को वरीयता दी जाएगी । इस प्रकार के अनुभव, कौशल और क्षमता वाले सेवानिवृत अधिकारी भी आवेदन कर सकते हैं ।

दायित्व विवरण: संलग्न है ।

धार्मिक विश्वास: सक्रिय हिंदू होना अनिवार्य । रामभक्त वैष्णव होना वांछनीय ।

भाषा ज्ञान: हिन्दी और अँग्रेजी का अच्छा ज्ञान अनिवार्य ।

आवेदन प्राप्त होने की **अंतिम तिथि एवं समय**: 18 जुलाई, 2026 सांयकाल 4 बजे ।

आवेदन भेजने की विधि : searchcommittee.srjbt@gmail.com पर ईमेल से भेजें ।

संलग्क

उत्तरदायी: महामंत्री के प्रति

दायित्व-:

१. संस्था के मु.का.अ. के नाते समस्त वैधानिक, प्रशासनिक और वित्तीय कार्यों का निष्पादन

२. संस्था के स्वरूप और आकार के अनुसार कार्य प्रणाली और पद्धतियां विकसित करना।

३. संस्था के उद्देश्य, स्वरूप और आकार के अनुसार संगठन गठित करना।

४. संस्था के अधिकारियों, सेवकों और कर्मचारियों के शीर्षस्थ कार्यकारी नायक का दायित्व संभालना

५. संस्था की वर्तमान गतिविधियों और भावी विकास का कुशल संचालन करना

६. समस्त वैधानिक, नियामक और ट्रस्ट डीड की आवश्यकताओं की पूर्ति करना

७. संस्था के वित्तीय व्यवहार, लेखों और सूचनाओं में पारदर्शिता और कुशलता सुनिश्चित करना

८. संस्था के स्वरूप अनुसार सक्षम सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करना और इस हेतु आवश्यकता अनुसार स्थानीय, प्रादेशिक और केंद्रीय शासन के साथ समन्वय रखना

९. समस्त धार्मिक पूजापाठ, उत्सव, अनुष्ठान आदि नियमित एवं सुचारु रूप से चलना सुनिश्चित करना

१०. दर्शनार्थियों की सुरक्षा, सुविधा और संतोष सुनिश्चित करना

११. समय समय पर पधारने वाले विशिष्ट अतिथि/ प्रमुख संतों की यथोचित व्यवस्था

१२. संस्था और मंदिर की प्रतिष्ठा में उत्तरोत्तर वृद्धि और सनातन परंपराओं की स्थापना और विकास में इनकी सहभागिता सुनिश्चित करना

१३. संस्था की संपत्तियों की उचित सुरक्षा और नियमानुसार विनिवेश करना

१४. ट्रस्ट डीड में वर्णित उद्देयेशयों की प्राप्ति की योजनाएँ बनाना और ट्रस्टी मंडल एवं महामंत्री के निर्देशन में कुशल क्रियान्वन करना

१५. न्यास और महामंत्री के निर्देशन में समय समय पर प्रदत अन्य दायित्वों का वहन करना ।